Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
BA-211

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination May – 2019
B.A. with Yoga Science, (Semester : Second)
Sanskrit (Paper : First)
संस्कृत–व्याकरणम्

Time: 3 Hours **Max. Marks: 75**

नोट : यह प्रश्नपत्र पचहसत्तर (75) अंकों का है जो तीन (03) खंडों क, ख, तथा ग में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–क
(दीघ–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. निम्नलिखित में–से किन्हीं पाँच धातुओं का निर्दिष्ट लकारों में रूप लिखिए –
   हृञ् (लङ्), अद् (लोट्), दिव् (लट्), मुद् (लट्), स्ना (लट्), तन् (विधिलिङ्), चुर् (लोट्)
2. निम्नलिखित में–से किन्हीं तीन सन्धियों का उदाहरण सहित परिचय दीजिए।
   जश्त्व, उत्व, सत्व, अनुसार, श्चुत्व।
3. उपसर्ग कितने होते हैं, उनका नाम लिखकर उपसर्ग लगने से अर्थ परिवर्तन कैसे होता है? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।
4. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर संस्कृत में निबन्ध लिखिए –
   (क) अस्मांक ग्रामः (ख) भारतीयसंस्कृतिः (ग) योगस्य महत्त्वम्।
5. अधोलिखित में–से किन्हीं पाँच का ससूत्र विभक्ति परिचय दीजिए –
   (1) ग्रामं समया, (2) रामेण सार्धम्, (3) गणेशाय नमः, (4) नेत्रेण काणः
   (5) जटाभिः ब्रह्मचारी, (6) ज्ञानाद् ऋते, (7) त्वाम् अन्तरा।

खण्ड–ख
(लघु–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में छः (06) लघु–उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(4×5=20)**

1. निम्नलिखित का संस्कृत में अनुवाद कीजिए –
   सज्जनों की सङ्गति को सत्सङ्गति कहते हैं। सत्सङ्गति एक विशेष गुण है। अच्छी सङ्गति से मनुष्य में सद्गुणों का विकास होता है। मनुष्य सामाजिक प्राणी है, वह सङ्गति से ही गुणों और अवगुणों को समझता है। सत्सङ्गति से मनष्य का जीवन सुख और शान्ति से युक्त होता है। बाल्यकाल में बालक पर विशेषरूप से सङ्गति का प्रभाव पड़ता है। अतः मनुष्य को सज्जनों का सङ्ग करना चाहिए।
2. निम्नलिखित का हिन्दी में अनुवाद कीजिए –
   भारतवर्षम् अस्माकं जन्मभूमिः अस्ति। भारतदेशः संसारे प्रसिद्धः अस्ति। अस्य एवं अन्नेन जलेन वायुना च वयं पालिताः पोषिताः च। इयं जन्मभूमिः भारतभूमिः अस्माकं माता अस्ति। इयं सा भारतभूमिः अस्ति, यत्र बहवः महर्षयः देशभक्ताः महाराजाः च अभवन्। अत्र श्रीरामचन्द्रः, श्रीकृष्णः, गौतमबुद्धः, दयानन्दः, अन्ये च महापुरुषाः अभवन्। यषां नाम न केवलं भारतवर्षे अपितु सर्वत्र प्रसिद्धम् अस्ति।

3. बीमार होने के कारण अपने प्राचार्य जी को अवकाश हेतु एक पत्र संस्कृत में लिखिए।
4. किन्हीं पाँच पदों का सूत्रसहित सन्धि विच्छेद कीजिए –
   (1) तच्च, (2) सज्जनः, (3) रामो हसति, (4) कोऽस्ति, (5) युद्धः,
   (6) राजाऽयम्, (7) रामश्च।
5. गो शब्द का रूप सभी विभक्तियों में लिखिए।
6. सूत्र सहित सभी विभक्तियों का नाम लिखिए।

खण्ड–ग
(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ग' में दस(10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए एक (01) अंक निर्धारित है। इस खण्ड के **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं। **(10×01=10)**

1. इनमें से कौन-सा वाक्य शुद्ध है ?
   (अ) नेत्रात् काणः (ब) नेत्राय काणः
   (स) नेत्रण काणः (द) नेत्रं काणः
2. "रामो याति" इस वाक्य का शुद्ध पदच्छेद क्या है ?
   (अ) रामः याति (ब) राम याति
   (स) रामा याति (द) रामे याति
3. "मोदे" यह रूप किस धातु का किस लकार में है ?
   (अ) मोद् – लट् (ब) मुद् – लोट्
   (स) मुद् – लिट् (द) मुद् – लट्
4. उपसर्गों की सङ्ख्या है .....
   (अ) 24 (ब) 21
   (स) 25 (द) 22
5. "विद्यालय के दोनों ओर जल है" इस वाक्य का सही संस्कृत अनुवाद क्या है ?
   (अ) विद्यालयस्य उभयतः जलम् अस्ति। (ब) विद्यालयम् उभयतः जलम् अस्ति।
   (स) विद्यालयेन परितः जलम् अस्ति। (द) विद्यालयात् परितः जलम् अस्ति।
6. "कविषु कालिदासः श्रेष्ठः" इस वाक्य में सप्तमी विभक्ति विधान करने वाला सूत्र है .....
   (अ) सप्तम्यधिकरणे च (ब) तृतीया सप्तम्योर्बहुलम्
   (स) यतश्च निर्धारणम् (द) येनाङ्गविकारः
7. अद् धातु का लृट्लकार एकवचन में रूप होता है .....
   (अ) अन्ति (ब) आदत्
   (स) अन्तु (द) अत्स्यति
8. मुद् धातु का अर्थ है .....
   (अ) प्रसन्न होना (ब) मोहित होना
   (स) मोटा होना (द) मूर्ख होना
9. अधोलिखित में-से चमकने अर्थ वाली धातु है .....
   (अ) स्वप् (ब) मुद्
   (स) दिव् (द) स्ना
10. उत्व सन्धि विधायक सूत्र कौन-सा है ?
   (अ) ष्टुना ष्टुः (ब) हशि च
   (स) स्तोः श्चुना श्चुः (द) तोर्लि

----------x----------